www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-34 अंक-22 समाचार ब्यूरो प्रयागराज रेल 16-30 नवम्बर 2024 पृष्ठ 08 मूल्य:20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

Safety First: Indian Railways to Deploy Kavach 4.0 Across 10,000 Locomotives by 2030

Source/RSB-Indian Railways is accelerating the deployment of the Kavach 4.0 automatic train protection system, which will be installed on 10,000 locomotives and cover 14,375 Route Kilometres (RKM) of tracks by 2030. The Kavach 4.0 system, approved by the Research Designs & Standards Organisation (RDSO) in July 2024, has already undergone successful trials on a 108-km stretch between Kota and Sawai Madhopur in the West Central Railway zone, where it demonstrated its effectiveness in preventing accidents caused by human error.

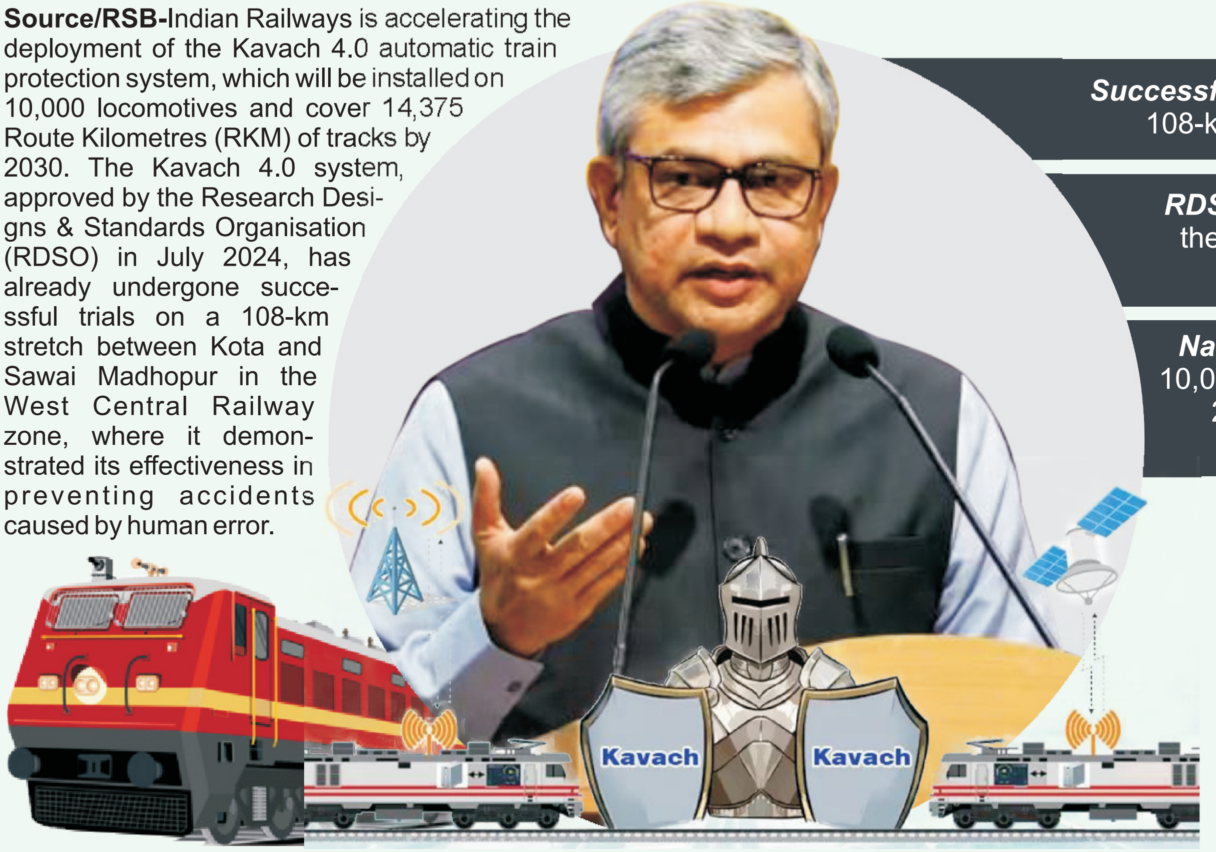

Successful Trials: Kavach 4.0 was successfully tested on a 108-km stretch between Kota and Sawai Madhopur.

RDSO Approval: The system received approval from the Research Designs and Standards Organisation (RDSO) in July 2024.

Nationwide Rollout: Kavach 4.0 will be installed on 10,000 locomotives and cover 14,375 RKM of tracks by 2030, marking a milestone in the modernization of India's railway system.

This Automatic Train Protection (ATP) system aims to enhance safety by ensuring trains adhere to speed limits and signals. With its widespread adoption, Indian Railways aims to reduce the risk of accidents and improve the overall safety of train operations across the country. The system's rollout will prioritize key routes and high-density corridors, with a complete implementation across the network by 2030. This initiative is part of Indian Railways' ongoing efforts to modernize its infrastructure and improve safety for passengers and operations alike. By deploying Kavach 4.0, Indian Railways is taking a significant step toward ensuring safer and more efficient train travel,

Sh. Ravneet Singh Bittu, MOSR, Lays Foundation Stone for Railway Foot Over Bridge at Inderpuri Halt Station

Source/RSB- Sh. Ravneet Singh Bittu, Minister of State for Railways (MOSR), laid the foundation stone for a new Foot Over Bridge (FOB) at Inderpuri Halt Station, New Delhi. The ceremony was attended by Smt. Bansuri Swaraj, Member of Parliament, along with senior officers from the Delhi Division of Indian Railways. The FOB, estimated to cost around Rs. 6 crores, is set to significantly enhance passenger convenience and safety at the station. This muchneeded infrastructure will provide safe passage for passengers crossing the tracks, improving accessibility & reducing the risk of accidents. The project is scheduled for completion by July 2025, and once completed, it will serve as a vital connection for passengers at the station, particularly those with mobility challenges. The laying of the foundation marks a key step in the ongoing efforts to improve railway facilities in the national capital & provide better services to commuters.

Record of Fastest Kawach Installation in 100 Locomotives by Electric Loco Shed, Ghaziabad of Delhi Division, Northern Railway

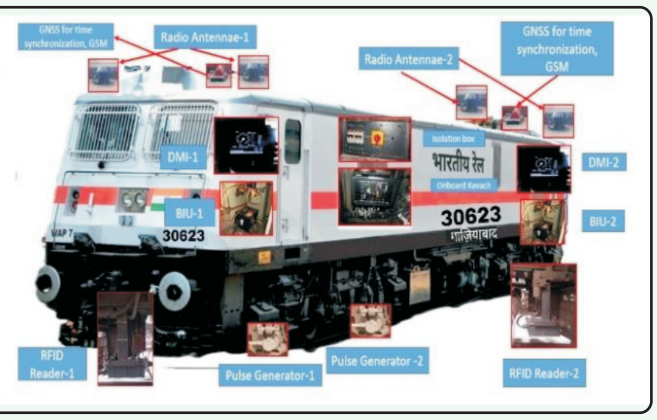

Source/NR- The work of "First 100 Loco Installation" has been completed by Electric Loco Shed, Ghaziabad, of Delhi Division. This is a historic achievement, as Kawach on locos is an important safety device aimed at reducing train accidents. The Additional Member Traction, Railway Board, launched the work of installing the 100th Kawach. The work done is an important step towards the modernization of Indian Railways and raising safety standards. By setting this record of installing Kawach in 100 locomotives, the Electric Loco Shed has not only proven its efficiency but has also taken the safety of passengers to new heights.It takes one day to install Kawach on a locomotive at the Electric Loco Shed, Ghaziabad. This is the result of the team's hard work and dedication. The Electric Loco Shed of Delhi Division is continuously making efforts to improve the safety standards of Indian Railways. This Kawach System is seen as an important part of the modernization of Indian Railways. This will not only reduce accidents but will also ensure travel safety.

रेलवे स्टेशनों पर सस्ती दवाओं की सुविधा

प्रधानमंत्री मोदी ने 18 जन औषधि केंद्रों का शुभारंभ किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 नवंबर को देशभर के रेलवे स्टेशनों पर 18 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया। बिहार के दरभंगा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। ये जन औषधि केंद्र भारतीय रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ते हुए यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित कर रहा है। नए जन

औषधि केंद्र 11 राज्यों के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थापित किए गए हैं, जिनमें बिहार, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, छत्तीसगढ़,कर्नाटक, गुजरात, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश शामिल हैं। इन केंद्रों के माध्यम से यात्रियों को यात्रा के दौरान आवश्यक दवाएं किफायती दरों पर मिल सकेंगी।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि रेलवे देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है और इस पहल के जरिए रेलवे स्टेशनों को स्वास्थ्य सुविधाओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इससे पहले, इस वर्ष मार्च में 50 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों की शुरुआत रेलवे स्टेशनों पर की गई थी। यह कदम न केवल रेलवे यात्रियों के लिए सुविधाजनक है, बल्कि रेलवे स्टेशनों को सामाजिक और स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में भी स्थापित करता है।

कर्मयोगी सप्ताह – राष्ट्रीय शिक्षण मिशन में सराहनीय प्रदर्शन के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे को किया गया सम्मानित

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्र सरकार के अधीन मंत्रालयों में कार्यरत कर्मियों के लिए 19 अक्टूबर से 14 नवंबर 2024 तक कर्मयोगी सप्ताह - राष्ट्रीय शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विकसित भारत के मिशन में एक उत्तरदायी सक्षम और भविष्य के निर्माण हेतु शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 19 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए कर्मयोगी सप्ताह में असाधारण प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई जिसमें सभी मंत्रालयों, विभागों और सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थाओं की सामूहिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई। कर्मयोगी सप्ताह के दौरान विभिन्न तरह के ऑनलाइन कोर्सेज कर्मचारियों के लिए उपलब्ध कराए गए जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके साथ ही इस दौरान सेमिनार, वेबीनार और विभिन्न तरह की चर्चाओं का भी आयोजन किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ की पहल पर रेलकर्मियों को प्राथमिकता के साथ राष्ट्रीय प्रशिक्षण मिशन में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रदीप कुमार सिंह के

दिशा-निर्देशन में उत्तर पश्चिम रेलवे पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण मिशन का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा कर्मयोगी सप्ताह के दौरान सराहनीय कार्य किए गए। इस सप्ताह के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के 52 हजार से अधिक कर्मचारियों ने विभिन्न तरह के ऑनलाइन कोर्स को पूरा कर सहभागिता दर्ज करवाई। उत्तर पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों ने लगभग 20 हजार घंटे के कोर्स किए गए। उत्तर पश्चिम रेलवे ने कर्मयोगी सप्ताह में कोर्सेज करने के तहत भारत सरकार के विभिन्न विभागों में 10 हजार से 50 हजार कर्मचारियों की श्रेणी में पहला तथा केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारियों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के इस सराहनीय कार्य के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन द्वारा सम्मानित किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से श्री अशोक माहेश्वरी अपर महाप्रबंधक ने यह सम्मान प्राप्त किया।

लेख

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

विविधताओं सेभरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीजों को अलग नजरिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। सगीत, कानों को सख देने का सिर्फ साधन नहीं, सुरों की साधना का जरिया है। कुछ वसै ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज एक अदद इंजन और डढ़े दर्जन डिब्बों से लसै गाड़ी नहीं, घर परिवार सेदरू जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों सेभावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पलु है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़ती उनसे होकर रिश्तों के एहसास गजुरते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अतंर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी! इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गमुनामी भरी जिन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समहू में निकल पड़ते हैं रेल के सफर पर। सख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पॉव फूल जायें और, अगर बात त्योहार और विशषे दिनों में उमड़ते जन-सलैाब की हो, तो सिर्फ रेल सचांलन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सचुारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचमारियों के अलावा स्वयंसेवी सगंठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की सख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचाने का कई दशकों का अनभुव है, पर अब सारी कोशिश इस अनभुव को क्रमशः सखुद बनाने की है। अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबधंन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सनुकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हजार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशषे ट्रेनों का सचांलन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सुरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये- यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हजार यात्रियों का आवागमन होता है- चार नवबंर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हजार से ज्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ इस स्टेशन से, यात्रियों की मॉंग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का सचांलन किया गया। विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों मे 'रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुन कर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की।सबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों नेतो महज कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों मे 'यात्र की! भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी सख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मबुंई की सी-लिकं तक, और बेंगलरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पजांब के खेतों मे 'फसल उगा रहे मजदूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी सस्थानों में सेवारत कर्मचर्मारी, बड़े-बजुर्ग या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा सस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीकों से आज और आने वाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं। भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविविधाओं से लेसै वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

जया वर्मा सिन्हा
भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ रह चुकी हैं।

आरेडिका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली चिकित्सालय में दिनांक 13-11-2024 को आरेडिका चिकित्सालय द्वारा रेजेंसी चिकित्सालय कानपुर के सहयोग स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा द्वारा किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉ. अनुभा सिंह चौहान (स्त्री एंव प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. शालीन वर्मा (अस्थि रोग विशेषज्ञ), एंव डॉ. वैभव गुप्ता (एमडी मेडिसिन) के द्वारा चिकित्सालय में आये 329 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पहली बार विशेष जांच के रूप में फाइब्रोस्कैन को सम्मिलित किया गया । फाइब्रोस्कैन एक नवीन और दर्द रहित विधि है, जिसको करने में मात्र 2-3 मिनट का समय लगता है जिससे हमारे लिवर में होने वाले किसी भी समस्या का पता लगाया जा सकता है। प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी आभा जैन ने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य परीक्षण करना नही, बल्कि लोगों को उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक कराना एवं सजग बनाना है। हमारे लिए शरीर को स्वस्थ रखना बेहद जरूरी हैं, इसलिए शरीर को स्वस्थ रखने हेतु समय समय पर बृहद रूप में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है । शिविर में कुल 150 मरीजों द्वारा फाइब्रोस्कैन एवं 70 मरीजों द्वारा रक्त जांच कराया गया ।

उत्तर रेलवे की 'अदालत-2024' पहल, अनुकंपा आधार नियुक्ति मामलों का त्वरित समाधान

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा के दिशा-निर्देशों और उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री सुजीत कुमार मिश्रा के तत्वाधान में प्रधान कार्यालय बड़ौदा हाउस में कार्मिक विभाग द्वारा 'अदालत-2024' का आयोजन किया गया। इस अदालत का आयोजन मृतक रेलवे कर्मचारियों के आश्रितों के लंबित अनुकंपा आधार नियुक्ति मामलों को शीघ्र निपटाने के उद्देश्य से किया गया। इस अदालत में रेलवे कर्मचारियों के परिवारजनों की शिकायतों का निवारण करने और उनके लंबित मामलों का समाधान शीघ्र करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए। यह पहल कर्मचारियों के परिवारों के लिए राहत देने और उनके जीवन को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आगरा-धौलपुर रेल खंड का सुरक्षा ऑडिटः श्री अमिताव मुखर्जी के नेतृत्व में किया गया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दक्षिण पूर्व रेलवे/ कोलकाता के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अमिताव मुखर्जी के नेतृत्व में आगरा मंडल के आगरा-धौलपुर रेल खंड का इंटर रेलवे सेफ्टी ऑडिट किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल खंड पर सुरक्षा मानकों की समीक्षा करना था, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान, श्री मुखर्जी और उनकी टीम ने रेलवे ट्रैक, सिग्नल सिस्टम, और अन्य सुरक्षा उपायों की विस्तृत जांच की। उन्होंने रेल संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारों पर चर्चा की।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने बिहार के प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया, यात्री सुविधाओं पर दिया जोर

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार ने दिनांक 14 नवंबर को बिहार के सोनपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और वहां के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित हो रहे मुजफ्फरपुर जंक्शन का निरीक्षण किया और इसके 3डी मॉडल का अवलोकन किया।

यात्रियों से फीडबैक लिया

पटना जंक्शन पर श्री सतीश कुमार ने त्योहारी सीजन में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का निरीक्षण किया और यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी राय ली। उन्होंने विशेष रूप से भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, और टिकटिंग व्यवस्था की समीक्षा की और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे।

अमृत भारत स्टेशन योजना की प्रगति

मुजफ्फरपुर जंक्शन के पुनर्विकास के तहत नई तकनीकों और आधुनिक डिजाइन को प्राथमिकता दी जा रही है। स्टेशन का प्रस्तावित 3डी मॉडल पर्यावरण के अनुकूल संरचना और उन्नत यात्री सुविधाओं को दर्शाता है।

यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं का वादा

श्री सतीश कुमार ने कहा, ''यात्रियों की संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है। रेलवे के प्रत्येक प्रोजेक्ट में यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्य किया जा रहा है।''

यह दौरा बिहार में रेलवे के विकास और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पमरे में राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजनः महाप्रबंधक ने 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सूत्र/पमरे- देश को एकता के सूत्र में बाधने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर रेलवे में 'रन फॉर यूनिटी' जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय सहित तीनों मंडलों एवं दोनों कारखानों में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सरदार बल्लभभाई पटेल की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी, निबंध, ड्राइंग आदि प्रतियोगिताएं एवं 'रन फॉर यूनिटी' सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यालय खेलकूद संघ और कार्मिक विभाग द्वारा प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात के मार्गदर्शन में रेल सौरभ अधिकारी क्लब में ''रन फॉर यूनिटी'' का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें अपर महाप्रबंधक श्री आर. एस. सक्सेना और प्रमुख विभागाध्यक्षों सहित अन्य रेल अधिकारियों ने भाग लिया। इसी क्रम में एक अन्य कार्यक्रम में कार्मिक विभाग के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी के तत्वाधान में महाप्रबंधक जी द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई, जिसमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलवाई गई। इस कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (भारतीय रेल) एवं सहायक कार्मिक अधिकारी और कल्याण अनुभाग का सक्रिय योगदान रहा।

भारतीय रेलवे ने एक महीने तक चले विशेष अभियान 4.0 में 2.5 लाख लोक शिकायतों का समाधान किया, सांसदों के 1065 संदर्भों का निपटारा किया और राज्य सरकार के 138 मामलों का समाधान किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय ने 2 अक्टूबर 2024 को शुरू किए गए विशेष अभियान 4.0 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह अभियान स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देने, संगठनात्मक दक्षता में सुधार लाने और भारतीय रेलवे के कर्मचारियों व जनता को उद्देश्यपूर्ण तरीके से जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया था। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नेतृत्व में, इस पहल में सभी स्तरों पर व्यापक भागीदारी देखी गई।

प्रमुख उपलब्धियांः

स्वच्छता अभियानः

- 56,168 स्वच्छता अभियान चलाए गए, जिनमें कार्यस्थलों और रेलवे स्टेशनों की सफाई पर ध्यान दिया गया।
- स्क्रैप निपटान से 12.15 लाख वर्ग फुट जगह खाली हुई और 452.40 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ।

लंबित मामलों का समाधानः

- सांसदों के 1065 संदर्भों, राज्य सरकार के 138 संदर्भों, और पीएमओ के 69 में से 65 संदर्भों का निपटान।
- 2.5 लाख लोक शिकायतों और 1427 लोक शिकायत अपीलों का समाधान।
- 139 संसदीय आश्वासनों में से 55 पूरे किए गए।

फाइल प्रबंधनः

- 1.6 लाख फाइलों की समीक्षा की गई, जिसमें 89,000 पुरानी फाइलों को हटाया गया।

रेल चौपालः

- नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, जयपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रेल चौपालों का आयोजन किया गया।
- इनका उद्देश्य स्वच्छता जागरूकता, जन सहभागिता, और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना था।

सोशल मीडिया सहभागिताः

- अभियान को 3713 ट्वीट्स और रीपोस्ट्स के जरिए व्यापक समर्थन मिला।

परिणामः

विशेष अभियान 4.0 ने न केवल स्वच्छता और दक्षता में सुधार किया, बल्कि भारतीय रेलवे की कार्यस्थल संस्कृति को भी नया रूप दिया। रेल मंत्रालय ने स्वच्छता और संदर्भ निपटान को संस्थागत आदत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

> "महाकुम्भ के दौरान भारतीय रेलवे का योगदान न केवल यात्रा की सुविधा प्रदान करता है, बल्कि भारत की एकता और संस्कृति को भी उजागर करता है।"

श्री अश्विनी वैष्णव ने केरल में रेलवे परियोजनाओं का जायज़ा लिया

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 3 नवंबर को केरल में चल रही रेलवे परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अलुवा से कोझिकोड तक एक विशेष ट्रेन से यात्रा करते हुए काम की प्रगति को करीब से देखा। इस दौरान श्री वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी काम समय पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र का विकास होगा। रेल मंत्री ने कोझिकोड रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। यह परियोजना यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं देने और रेलवे को उन्नत बनाने के लिए शुरू की गई है।

सदस्य, रेलवे बोर्ड, श्री रवींदर गोयल ने वाराणसी जंक्शन का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू-रेलवे बोर्ड के सदस्य (ऑपरेशन्स एवं बिजनेस डेवलपमेंट) श्री रवींदर गोयल ने 15 नवंबर को वाराणसी जंक्शन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया और प्रबंधन को सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री गोयल ने पैनल रूम का निरीक्षण कर संचालन प्रक्रिया को समझा और इसे और अधिक कुशल बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने वाशिंग लाइन का भी दौरा किया और सुनिश्चित किया कि ट्रेन की सफाई और मरम्मत के कार्य कुशलता से हो रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यात्री सुविधाओं जैसे प्रतीक्षालय, जलपान स्टॉल, शौचालय, और प्लेटफॉर्म की स्वच्छता का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान श्री गोयल ने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की और उनकी चुनौतियों और सुझावों को समझा। उन्होंने कहा कि रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करना है।

जीएम श्री परमेश्वर फुंकवाल ने बौध-पुरुणकटक सेक्शन का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- ईस्ट कोस्ट रेलवे के महाप्रबंधक श्री परमेश्वर फुंकवाल ने खुरदा रोड-बलांगीर रेल लाइन परियोजना के तहत बौध-पुरुणकटक सेक्शन का निरीक्षण किया। श्री फुंकवाल ने परियोजना स्थल पर निर्माण कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। यह परियोजना ओडिशा के दूरदराज और आकांक्षी क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली में 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में रेलवे पवेलियन का भव्य उद्घाटन

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) में रेलवे पवेलियन का उद्घाटन रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार द्वारा किया गया। इस पवेलियन में भारतीय रेल की उन्नत तकनीकों, नवाचारों और भविष्य की परियोजनाओं की झलक प्रस्तुत की गई है।

रेलवे पवेलियन की खासियत

रेलवे पवेलियन का बाहरी हिस्सा नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के प्रस्तावित साबरमती स्टेशन की शानदार प्रतिति के रूप में तैयार किया गया है। यह आकर्षक डिजाइन आगंतुकों को भविष्य की रेलवे परियोजनाओं का अनुभव कराता है।

प्रमुख आकर्षण

1. आइकॉनिक मॉडल्स:

- अंजी ब्रिज: भारत का पहला केबल-स्टे ब्रिज।
- नया पंबन ब्रिज: वर्टिकल लिफ्ट रेल ब्रिज।
- वंदे भारत एक्सप्रेस: भारत की पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन।

2. तकनीकी नवाचार:

पवेलियन में भारतीय रेल के ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स, आधुनिक सिग्नलिंग तकनीक, और स्मार्ट रेलवे सिस्टम का प्रदर्शन किया गया है। इस अवसर पर श्री सतीश कुमार ने कहा, ''रेलवे पवेलियन भारतीय रेल के सतत विकास और भविष्य की दिशा को दर्शाने वाला एक प्रतीक है। यह हमारे यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

आगंतुकों के लिए खास अनुभव

रेलवे पवेलियन में इंटरएक्टिव डिस्प्ले और वर्चुअल रियलिटी अनुभव के जरिए आगंतुक भारतीय रेल के आधुनिक बदलावों और टिकाऊ पहलों को करीब से समझ सकते हैं। 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस मेले में रेलवे पवेलियन अपनी शानदार प्रस्तुति और तकनीकी क्षमताओं के कारण आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह पवेलियन भारतीय रेल के भविष्य और देश की प्रगति का प्रतीक है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा की कार्य प्रगति समीक्षा बैठक

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 6 नवंबर को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में रेलवे के विभिन्न कार्यों की स्थिति पर चर्चा की गई और आगामी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक महोदय ने त्योहारी सीजन के दौरान संरक्षा और रेल परिचालन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है, ऐसे में संरक्षा उपायों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, श्री वर्मा ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की निगरानी करने और निर्धारित समय पर कार्य पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। महाप्रबंधक महोदय ने कर्मचारियों और यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संरक्षा प्रोटोकॉल बढ़ाने पर भी जोर दिया।

श्री नरेश पाल सिंह ने बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक का कार्य भार ग्रहण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल के वर्ष 1988 बैच आईआरएसईई के अनुभवी अधिकारी एवं आईआईटी, रुड़की, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग वर्ष 1987 के पूर्व छात्र श्री नरेश पाल सिंह ने रेलवे के कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवा देते हुए असाधारण उपलब्धियां हासिल की है। अपने लंबे केरियार में श्री सिंह ने मध्य रेलवे के मंडलों में विभिन्न क्षमताओं जैसे लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सामान्य सेवाएं आदि में कार्य किया है। उन्होंने मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर, रोलिंग स्टॉक, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, संचालन, मुंबई के रूप में भी उल्लेखनीय सेवा प्रदान की है। साथ ही, एमआरवीसी में मुख्य विद्युत इंजीनियर, परियोजना के रूप में भी कार्य किया । बरेका में कार्य भार ग्रहण करने से पूर्व, वे 01-09-2022 से मध्य रेलवे, मुंबई में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। श्री नरेश पाल सिंह को मध्य रेलवे में अपने कार्यकाल के दौरान इलेक्ट्रिकल, डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन एवं सामान्य सेवा परिसंपत्तियों के रखरखाव तथा संचालन का व्यापक अनुभव है। उन्होंने अपने नेतृत्व में कई अभिनव परियोजनाओं को शुरू किया, जिनमें उन्होंने मध्य रेलवे में ट्रैक्शन पावर के लिए 10 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट एवं 20X4 मेगावाट की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम शामिल है। इसके अतिरिक्त इनके सफलता पूर्वक नेतृत्व में एक प्रमुख परियोजना 2X25kV ट्रैक्शन सिस्टम में ओ.एच.ई. मास्ट पर ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (ओ.पी.जी.डब्ल्यू.) के साथ एरियल अर्थ कंडक्टर को बदलने का कार्य प्रगति पर है, जो कि कवच और एस एण्ड टी सिग्नल आवश्यकताओं के लिए विश्वसनीय संचार पथ प्रदान करेगा, साथ ही गैर-किराया राजस्व और अतिरिक्त ऑप्टिक फाइबर कोर के माध्यम से विश्वशनीय संचार में वृद्धि होगी।

महाकुम्भ की तैयारियाँ तेज, रेल, सड़क, नदी, और घाट बन रही हैं श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक

डीआरएम लखनऊ ने महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे तैयारियों का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 13 नवंबर को डीआरएम लखनऊ श्री एस.एम. शर्मा ने कुंभ मेला अधिकारी श्री विजय किरण आनंद के साथ बैठक की, जिसमें आगामी महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे की तैयारियों और चल रही अधोसंरचना परियोजनाओं पर चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना था। इसके बाद, श्री एस.एम. शर्मा ने प्रयाग जंक्शन का दौरा किया, जहां उन्होंने स्टेशन भवन निर्माण, एकीकृत कमांड सेंटर, मौजूदा यात्री सुविधाओं और प्रवेश-निकासी मार्गो का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समय पर पूरे हों और यात्रियों का प्रवाह बिना किसी समस्या के हो।

प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ रेल महोत्सव- 2025 का शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराजः प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या-1 पर महाकुंभ-2025 के अंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल द्वारा 'महाकुंभ रेल महोत्सव -2025' का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन महाकुंभ मेले के स्वागत के लिए रेलवे द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया है। इस महोत्सव की शुरुआत 07 नवम्बर 2024 को सांस्कृतिक संध्या के साथ हुई, जो 28 फरवरी 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को जारी रहेगा। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य श्री संजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर ।

प्रयागराज मंडल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को आयोजित किए जा रहे ''महाकुंभ रेल महोत्सव -2025'' में गायन, नृत्य एवं काव्य पाठ में रुचि रखने वाले स्वैच्छिक प्रतिभागी बनने के लिए अपनी कला का वीडियो क्लिप (श्री रंजीत सिंह (मो- 9335577217) को व्हाट्सएप पर अथवा ईमेल welfarencr2490@gmail-com पर अथवा हित अनुभाग कक्ष संख्या 46, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रयागराज पर भेज सकते है। जिसकी सांस्कृतिक टीम द्वारा स्क्रीनिंग किए जाने के उपरांत सांस्कृतिक संध्या में कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में सहभागिता का आवेदन व्यक्ति/समूह/शैक्षिक संस्था/स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा किया जा सकता है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को रेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित भी किया जाएगा।

घुड़सवार पुलिस की तैनाती से महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घुड़सवार पुलिस की तैनाती की जाएगी। इन पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण हाल ही में शुरू किया गया है, ताकि वे भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से सुरक्षा प्रदान कर सकें। यह कदम श्रद्धालुओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने और मेले के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उठाया गया है।

प्रयागराज महाकुंभ 2025: तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यू-प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 को भव्य, दिव्य, स्वच्छ और डिजिटल कुम्भ बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शीर्ष समिति की 15वीं बैठक प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में संपन्न हुई। बैठक में कुम्भ मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यो की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य सचिव ने निर्माणाधीन परियोजनाओं का वीडियो क्लिप के माध्यम से निरीक्षण किया और सभी कार्यो को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर तक प्राथमिक कार्य, 15 दिसंबर तक क्रिटिकल प्रोजेक्ट और 30 दिसंबर तक अन्य लंबित कार्य पूरे किए जाएं। कार्यो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड-पार्टी निरीक्षण अनिवार्य होगा। महाकुंभ को प्लास्टिक मुक्त बनाने, घाटों की सफाई, सॉलिड वेस्ट निस्तारण, और स्वच्छता प्रबंधन के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से साइबर और डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। पुलिस महानिदेशक श्री प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। बैठक में प्रमुख सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और तैयारियों की समीक्षा की।

40 हजार से अधिक रिचार्जेबल लाइट्स से रोशन होगा मेला क्षेत्र

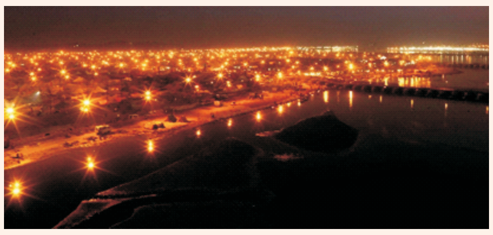

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 में मेला क्षेत्र को रिचार्जेबल लाइट्स से रोशन किया जाएगा, जिससे न केवल यहां की भव्यता बढ़ेगी, बल्कि श्रद्धालुओं को भी बिना किसी बाधा के अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा। इस बार मेला क्षेत्र में 40 हजार से ज्यादा रिचार्जेबल लाइट्स का इस्तेमाल किया जाएगा, जो खुद को रिचार्ज करने में सक्षम हैं और बिजली जाने पर भी रोशनी जारी रखती हैं। योगी सरकार ने इस कदम के जरिए सुनिश्चित किया है कि मेला क्षेत्र और शिविरों में रात के समय अंधेरा न हो, ताकि श्रद्धालु गंगा और यमुना की निर्मल धारा के साथ-साथ मेला क्षेत्र की चमचमाती रोशनी का आनंद ले सकें। इन लाइट्स का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश में किसी भी बड़े आयोजन में पहली बार हो रहा है, और महाकुंभ के इस आयोजन को और भी दिव्य और भव्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह कदम न केवल सुरक्षा और श्रद्धालुओं के अनुभव को बेहतर बनाएगा, बल्कि यह प्रदेश के ऊर्जा संरक्षण प्रयासों के तहत एक नई दिशा की ओर भी इशारा करता है।

महाकुंभ में प्रयागराज में मांस-मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध

सूत्र/रे.स.ब्यू- संतों और सनातन धर्मावलंबियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए महाकुंभ के दौरान मांस-मदिरा की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। आगामी महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और धार्मिक मान्यताओं का ध्यान रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। महाकुंभ के आयोजन के दौरान मेला क्षेत्र के 500 मीटर के दायरे में स्थित सभी मोहल्लों में मांस और मदिरा की बिक्री नहीं की जाएगी। यह नियम श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्थाओं के सम्मान में लागू किया गया है, ताकि वे शांतिपूर्वक और समर्पण भाव से कुंभ में भाग ले सकें। इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या व्यापारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं और सभी संबंधित अधिकारियों को इस नियम के पालन की निगरानी करने के लिए तैनात किया गया है।

49वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में इंटरएक्टिव आयुष पवेलियन में स्वास्थ्य और कल्याण में नवाचारों का प्रदर्शन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 49वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (IITF) में 'आयुष के साथ स्वस्थ भारत, विकसित भारत' थीम के तहत आकर्षक आयुष पवेलियन उद्घाटन के दिन ही मुख्य आकर्षण बन गया। यह पवेलियन आयुष के प्रमुख स्तंभोंअनुसंधान, नवाचार, और सार्वजनिक सेवोंको इंटरैक्टिव, सूचनात्मक, और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है।

प्रमुख आकर्षण:

- **आयुष वीजा प्रदर्शनी:** भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार आयुष वीजा की जानकारी प्रदर्शित की गई। यह वीजा वैश्विक पर्यटकों को भारत में आयुष चिकित्सा प्रणाली के तहत उपचार का अवसर प्रदान करता है।
- **आयुष आहार:** पारंपरिक आहार प्रथाओं के लाभ और विज्ञान पर केंद्रित प्रदर्शनी। लाइव प्रदर्शन और विशेषज्ञों के सत्र के जरिए समग्र स्वास्थ्य समाधान को उजागर किया गया।
- **राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड** (NMPB): भारत की जैव विविधता और औषधीय पौधों के उपयोग में प्रगति पर एक विशेष खंड।
- **लाइव योग प्रदर्शन:** मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा कार्यस्थल योग और योग परामर्श का लाइव प्रदर्शन।
- **इंटरएक्टिव गतिविधियां:** ''दादी से पूछो'' सत्र में पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञों से स्वास्थ्य सलाह, और बच्चों के लिए 'सांप और सीढ़ी' खेल, जो संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के सिद्धांत सिखाने पर केंद्रित है।
- **इंटरएक्टिव कियोस्क:** प्रेंति परीक्षण और मिजाज परीक्षण के जरिए व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुझाव।
- **आयुष आहार व्यंजन:** आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित व्यंजनों की प्रदर्शनी।

यह पवेलियन आगंतुकों को भारतीय पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाओं और उनके भविष्य के नवाचारों से जोड़ता है। आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषदों की सक्रिय भागीदारी इसे विशेष बनाती है।

श्री प्रतापराव जाधव ने 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 5 नवम्बर 2024 को, आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' की प्रगति की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, ताकि अभियान की वर्तमान स्थिति और आगामी कदमों पर चर्चा की जा सके। श्री जाधव ने इस अभियान को हमारे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह अभियान आयुर्वेद को देशभर में बढ़ावा देने और इसके लाभ को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के तहत किए गए प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए योजनाओं का समग्र रूप से मूल्यांकन किया जाए और जरूरत के अनुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। यह अभियान न केवल आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे देश की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर की सुरक्षा और संवर्धन में भी मदद मिलेगी। श्री जाधव ने इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा, जो भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता और विश्वास को बढ़ावा देगा।

योग ब्रेक कोर्स को उत्कृष्टता के लिए सराहना, MDNIY को मिला सम्मान

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय की ''वाई-ब्रेक'' (कार्यस्थल पर योग ब्रेक) पहल को आईजीओटी कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म पर इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के समापन समारोह में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के निदेशक डॉ. काशीनाथ समागंडी को प्रदान किया। वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल एक पांच मिनट का योग कार्यक्रम है, जिसे कर्मचारियों के तनाव को कम करने और उन्हें ताजगी देने के लिए डिजाइन किया गया है। अब तक 868,094 सरकारी अधिकारियों ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, ''यह पहल कर्मचारियों को ऊर्जावान और उत्पादक बनाए रखने में मदद करती है।

संपादकीय

गुड़ और तिलः सर्दियों में सेहत के लिए एक अद्भुत संयोजन

सर्दी का मौसम आते ही, शरीर को गर्म रखने और सेहतमंद रहने के लिए हम कई प्रकार के आहार का सेवन करते हैं। इस मौसम में गुड़ और तिल का सेवन विशेष रूप से लाभकारी होता है। यह दोनों प्रोंतिक तत्व शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं।

शरीर को गर्मी मिलती है

गुड़ और तिल सर्दियों के मौसम में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करते हैं। आयुर्वेद में इन दोनों को गर्म तत्त्व माना जाता है, जो शरीर में उष्णता बनाए रखने में मदद करते हैं। तिल का सेवन शरीर को ताकत और ऊर्जा प्रदान करता है, जबकि गुड़ शरीर की अंदरूनी गर्मी को बनाए रखता है।

रक्त की कमी को दूर करते हैं

गुड़ और तिल दोनों ही आयरन से भरपूर होते हैं, जो खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करते हैं। तिल में उच्च मात्र में आयरन और कैल्शियम होता है, जो हड्डियों और रक्त की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है। गुड़ भी आयरन का अच्छा स्रोत है, जो शरीर में खून की कमी को पूरी करता है।

पाचन क्रिया को सुधारते हैं

गुड़ पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को उत्तेजित करता है, जिससे खाने को आसानी से पचाने में मदद मिलती है। तिल में उच्च मात्र में फाइबर होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है

तिल में कैल्शियम और मैग्नीशियम की अच्छी खुराक होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। सर्दियों में तिल का सेवन हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ जोड़ों के दर्द में भी राहत प्रदान करता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं

गुड़ और तिल में एंटीअ क्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह दोनों तत्व शरीर को बाहरी संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं से बचाव करते हैं।

त्वचा को निखारते हैं

तिल में विटामिन E की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा को निखारने में मदद करता है। यह त्वचा को पोषण देता है और उसे चमकदार बनाए रखता है। गुड़ भी त्वचा के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें एंटीअ क्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को अंदर से स्वस्थ बनाते हैं।

तनाव को कम करते हैं

तिल में मैग्नीशियम होता है, जो शरीर और मस्तिष्क को आराम देने का काम करता है। यह तनाव को कम करने में मदद करता है और मन को शांत रखता है। गुड़ भी एक प्रोंतिक मूड बूस्टर होता है जो मानसिक शांति में मदद करता है।

पेट की गर्मी को शांत करता है

गुड़ के सेवन से पेट की गर्मी कम होती है और यह पेट को ठंडक प्रदान करता है। यह पेट की जलन, गैस, और एसिडिटी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

सर्दियों में तिल और गुड़ के लाभकारी लड्डू

तिल और गुड़ के लड्डू सर्दियों में विशेष रूप से लोकप्रिय होते हैं। इनका स्वाद और सेहत दोनों ही अद्भुत होते हैं। यह लड्डू न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि शरीर को गर्मी भी प्रदान करते हैं और इसके साथ ही आयरन, कैल्शियम और फाइबर की आवश्यकता भी पूरी होती है।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

Commissioner of Railway Safety conducted Statutory Inspection and High Speed Trial run between Pamban and Mandapam Section on the New Pamban Bridge

Source/SR- The Commissioner of Railway Safety, Southern Circle, Bengaluru, Shri A.M. Chowdhary, conducted the statutory inspection of the newly laid broad gauge line between Pamban and Mandapam stations, including the newly constructed Pamban Bridge in Madurai Division on 14.11.2024.During the inspection, the Vertical Lift Girder Span Bridge along the broad gauge line between Pamban and Mandapam, across the Palk Strait, was demonstrated to the inspecting officials. The successful demonstration of the newly built vertical lift girder span of the newly constructed Pamban Bridge was inspected by the Commissioner of Railway Safety. The new Pamban Bridge's vertical lift girder span is considered an engineering marvel, ensuring safe and efficient rail and marine traffic.After the inspection, Shri A.M. Chowdhary, Commissioner of Railway Safety, Southern Circle, Bengaluru, also conducted a high-speed trial run on the newly laid broad gauge line between Pamban and Mandapam, where the train achieved a speed of 90 km/h on the section and 80 km/h on the bridge.Key officials present during the inspection and speed trial included Shri B. Kamalakar Reddy, Chief Project Manager (Coordination), Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), Shri Sushil Kumar Maurya, Chief Administrative Officer, Construction/ Chennai Egmore, and Shri Sharad Srivastava, Divisional Railway Manager, Madurai Division.

Synchronized pit jack system for maintenance of 8 coach Vande Bharat Express rakes at Train Set Depot, Shakurbasti of Delhi Division.

Source/NR- The newly introduced synchronized pit jack system is a highly advanced and specialized equipment designed to lift all eight coaches of the Vande Bharat train simultaneously for maintenance, repairs, or inspections. This system provides a precise and efficient method of lifting the entire train, ensuring that all coaches are elevated uniformly and safely without compromising the structural integrity of the coaches or track. The system consists of multiple synchronized jacks installed in a pit beneath the train. These jacks are connected to a central control unit that ensures all jacks operate in harmony. By lifting the train uniformly across all eight coaches, the system prevents uneven stresses and ensures stability during the lift. Each jack is carefully calibrated to maintain equal lifting force, ensuring the even distribution of weight. This synchronized lifting mechanism is critical for performing maintenance tasks like wheel replacements, Bogie replacement, undercarriage checks, and repair of critical components such as brake systems, electricals, and other infrastructure elements. The system's ability to lift the entire train (8 Car) at once reduces downtime and ensures faster maintenance cycles, which is essential for high-speed trains like Vande Bharat. Furthermore, the synchronized pit jack system enhances safety by reducing the risk of accidents that could occur with traditional methods of lifting, where individual coaches may be lifted separately. It also offers high precision, ensuring that the lifting process is smooth, efficient, and reliable, contributing to the overall performance and maintenance of the Vande Bharat train. The key benefits of the Synchronized Pit Jack System for Train Maintenance are Uniform Lifting, Increased Safety, Efficient Maintenance, Enhanced Precision, Reduced Wear and Tear, Versatility in maintenance and Optimized Operations.

SER ORGANISES SEMINAR ON “CULTURE OF INTEGRITY FOR NATION’S PROSPERITY”

Source/SER- South Eastern Railway organized a seminar on “Culture of Integrity for Nation’s Prosperity” at its Headquarters in Garden Reach on 05.11. 2024, as part of its Vigilance Awareness Week, observed from 28th October to 3rd November 2024.Shri Anil Kumar Mishra, General Manager of South Eastern Railway, welcomed the guests and officers, emphasizing that integrity is a core value that shapes both organizations and nations. He urged for the embrace of integrity to foster an environment of transparency, accountability, and ethical decision-making.Shri Soumitra Majumdar, Additional General Manager, further highlighted that the prosperity of the nation is directly linked to the promotion of integrity. He outlined a phased approach to this, including raising awareness, practicing, and upholding integrity.Guest of Honour, Shri Pradeep Gooptu, Economist and former Resident Editor of Business Standard, discussed how integrity is a product of conscious choices and how it plays a vital role in national prosperity.During the seminar, the Vigilance Bulletin “Maryada 2024” was released by Shri Soumitra Majumdar, Shri Pradeep Gooptu, and Shri Utpal Saha, Chief Vigilance Officer/HQ. The cultural team presented two skits to raise awareness about fake job rackets and the dangers of purchasing tickets from touts.South Eastern Railway is also conducting various outreach programs, including quizzes, essay competitions, and Nukkad Nataks, to raise awareness about corruption and its prevention.

Automobile Loading Using NMG Rakes Commences for the First Time at Balanagar Railway Station

Source/SCR- For the first time on Hyderabad Division, automobile traffic was loaded using the NMG (New Modified Goods) rake from Balanagar Goods Shed on 14th November 2024. Electric autos were transported on NMG rakes covering a distance of 1,770 Kms from Balanagar Station in Hyderabad to Bijwasan Station in Delhi, Northern Railway, generating revenue of Rs. 17.5 lakhs.Shri Lokesh Vishnoi, Divisional Railway Manager, Hyderabad Division; Shri Anirudh Pamar Z, Senior Divisional Commercial Manager/Hyderabad Division; and Shri V. Vidyadhar, Senior Divisional Operational Manager, Hyderabad Division, visited Balanagar Railway Station and inspected the loading pattern.South Central Railway has been undertaking various initiatives to improve freight traffic in recent years. Business development units have also been set up across the six divisions of the zone to strengthen the freight portfolio and undertake extensive marketing efforts to attract freight customers. Accordingly, KETO Motors, with their plant at Rajpur Village in Jadcherla, have come forward for the transportation of automobiles from Balanagar Station. Further, another 6 to 7 rakes of automobile traffic are expected to be loaded from Balanagar Railway Station by the same consignor.

MoSR Flags Off New Janshatabdi Express Trains with Additional Stoppage

Source/RSB- Minister of State for Railways (MoSR), Shri V Somanna, flagged off two new Janshatabdi Express trains – Train No. 12089 KSR Bengaluru – Shivamogga Town and Train No. 12080 SSS Hubballi – KSR Bengaluru. Both trains will now have an additional stoppage at Tiptur Railway Station, enhancing connectivity and convenience for passengers.The flagging-off ceremony was attended by Hon'ble MLAs Shri M.T. Krishnappa, Shri G.B. Jyothi Ganesh, Shri B. Suresh Gowda, and former MLA Shri Masala Jayaram. Senior Railway officials, including Shri Yogesh Mohan, DRM SBC, and Smt. Shilpi Agarwal, DRM Mysuru, were also present at the event. This move is expected to boost travel options and improve connectivity in the region, offering enhanced rail services for the public.

Shri Braj Mohan Agrawal Reviews Progress of Vande Bharat and Hydrogen Train Production at ICF, Chennai

Source/RSB- Shri Braj Mohan Agrawal, Member (Traction & Rolling Stock) of the Railway Board, recently visited the Integral Coach Factory (ICF) in Chennai to assess the progress of the Vande Bharat, Freight EMU, and Hydrogen Train manufacturing.During his visit, Shri Agrawal inspected the Vande Bharat Sleeper Rakes and Amrit Bharat coaches being produced at ICF, evaluating the production quality and progress. He also reviewed the Vande Bharat shells and Freight EMU coaches at the LHB Factory, as well as the Hydrogen Train DPC shells and Amrit Bharat (Version 2.0) coaches in the DPRS shed.In addition, the inspection included an assessment of the Vande Bharat Sleeper Rakes and Vistadome coaches in the commissioning shed.After the inspection, Shri Agrawal engaged in detailed discussions with Shri U. Subba Rao, General Manager of ICF, along with other department heads. The focus was on reviewing the status of ongoing projects, exploring upcoming innovations, and improving operational efficiency at ICF.

Reader's Suggestion for a Better Indian Railway Experience

Shri Saswata from Jhargram has shared an excellent suggestion to enhance passenger convenience: *"IRCTC menu cards should be available in every coach as a sticker or a QR code; alternatively, they should be printed on the ticket."* This thoughtful idea can make it easier for passengers to access menu options and plan their meals during the journey. We appreciate such innovative inputs aimed at improving Indian Railways and making travel more passenger-friendly.

Have suggestions for Indian Railways? Share them with us, and let's make a difference together!

Tweet - RSBPrayagraj Email : pro@railsamacharbureauald.com, WhatsApp : 9773946044

NCRTC Receives IGBC Net-Zero Energy Rating for Sahibabad and Guldhar RRTS Stations

Source/RSB-The National Capital Region Transport Corporation (NCRTC) has been honoured with the prestigious IGBC Net-Zero Energy (Operations) rating for its platinum-rated Sahibabad and Guldhar RRTS stations on the Delhi – Ghaziabad – Meerut RRTS corridor. This esteemed recognition was presented at the Green Building Congress 2024, organized by the Indian Green Building Council (IGBC) in Bangalore. The award acknowledges NCRTC's efforts in promoting energy efficiency and sustainability in the development of India's first Regional Rapid Transit System.

Shri Vivek Kumar Gupta, MD of NHSRCL, Inspects Bullet Train Construction Sites in Vadodara and Kheda

Source/RSB- Shri Vivek Kumar Gupta, Managing Director-National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), conducted a detailed inspection of the ongoing Bullet Train construction projects at Vadodara and Kheda. The visit focused on the progress of the construction work and the emphasis on precision and safety during the building of the high-speed rail network.During the inspection, Shri Gupta directed the engineers to enforce strict safety protocols to ensure the protection of all workers involved in the project. He highlighted the importance of maintaining rigorous standards of safety and quality to ensure a smooth and safe execution of the high-speed rail project.

Shri Pramod Kumar Assumes Additional Role as General Manager at Rail Coach Factory, Kapurthala

Source/RSB- Shri Pramod Kumar, an officer of the 1986 batch of the Indian Railway Service of Electrical Engineers (IRSEE), has taken on the additional responsibility of General Manager at Rail Coach Factory (RCF), Kapurthala. Currently serving as the Principal Chief Administrative Officer (PCAO) at Patiala Locomotive Works, Shri Kumar is known for his innovative approach to sustainable rail technology. His leadership at RCF is expected to drive significant advancements in the quality and capacity of coach production.A graduate in Electrical Engineering from Nagpur University, Shri Kumar began his journey with Indian Railways in 1986. Over the course of his distinguished career, Shri Kumar has held several important roles, including Senior Divisional Electrical Engineer/Railway Electrification, Chief Project Manager/Railway Electrification in Ambala, and Chief Electrical Design Engineer at RCF.

Shri Mohit Chandra Takes Charge as Additional General Manager of Northern Railway

Source/RSB - Shri Mohit Chandra has been appointed as the Additional General Manager of Northern Railway, bringing over three decades of experience in Indian Railways. A graduate in Electrical Engineering from the University of Roorkee, he joined the railways in 1991, specializing in electric locomotives, EMUs, and rolling stock. Shri Chandra has held key roles in various divisions and the Railway Board, contributing to improvements in operations and technology. As Divisional Railway Manager at Prayagraj Division, he led several impactful initiatives that significantly contributed to the region's growth and efficiency. Prior to this role, he served as Principal Executive Director for Rolling Stock at the Railway Board. His vast expertise positions him well to lead Northern Railway towards continued progress.

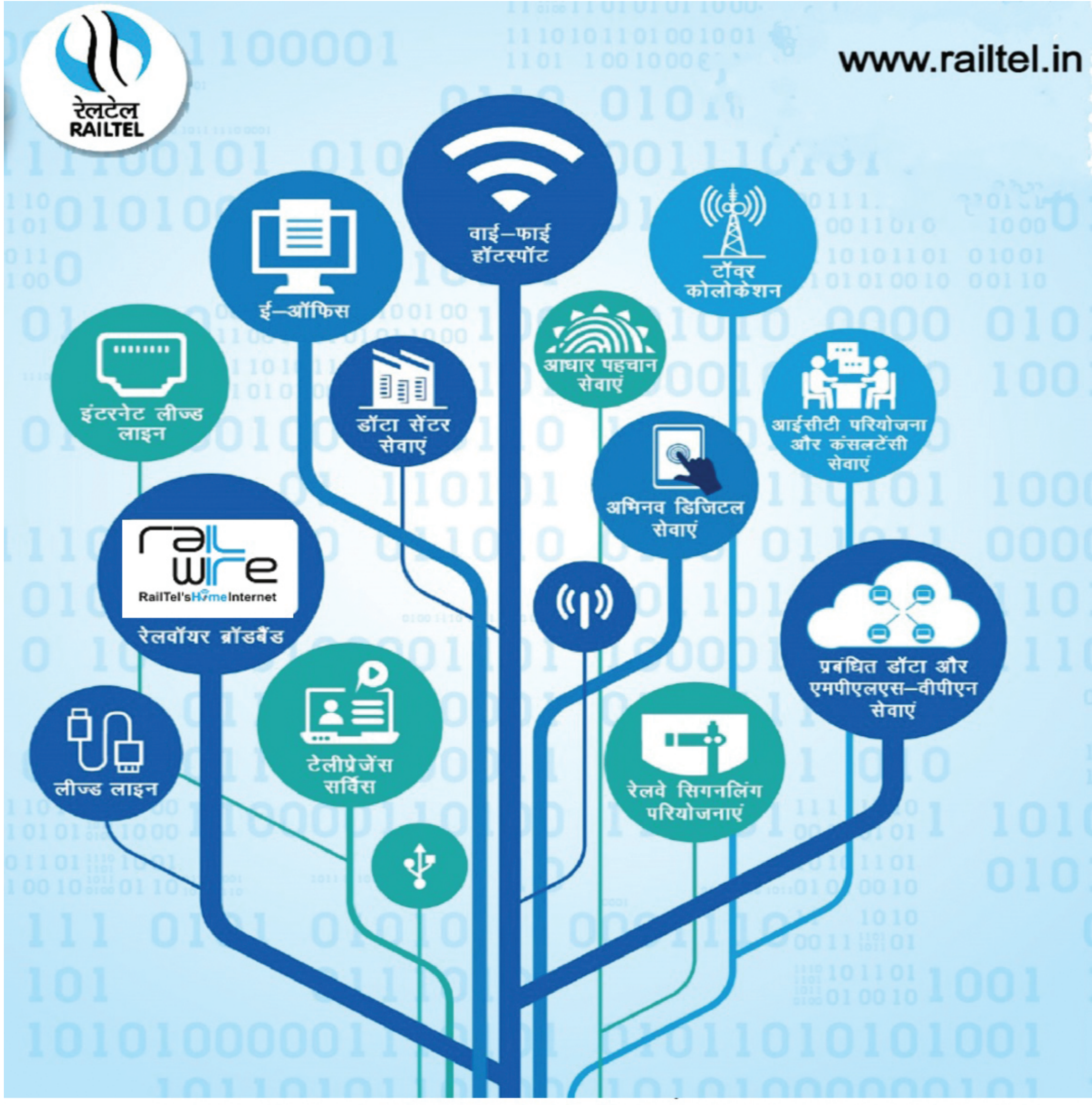

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

सेवाएं:
एमपीएलएस वीपीएन, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाएं, रेलवायर ब्रॉडबैंड, डॉटा सेंटर, सुरक्षा संचालन केन्द्र, क्लाउड सेवाएं

परियोजना प्रबंधन:
ई-गवर्नेंस अनुप्रयोग, अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली, रेलवे सिगनलिंग प्रणाली का आधुनिकीकरण, टनल रेडियो संचार, स्मार्ट सिटी और सुरक्षित शहर पहल, वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएएन)/ सॉफ्टवेयर परिभाषित वाइड एरिया नेटवर्क (एसडीडब्ल्यूएएन) निर्माण और प्रबंधन, मशीन विज़न और एआई/एमएल संचालित समाधान।

कंसल्टेंसी एवं प्रोफेशनल डेवलपमेंट:
आईटी एवं आईसीटी परामर्श सेवाएं, रेलवे सिगनलिंग एवं टेलीकॉम योग्यता प्रमाणन/परामर्श सेवाएँ

कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लेट-ए, 6 वीं मंजिल, कार्यालय टॉवर -2, एनबीसीसी बिल्डिंग, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली -110023
फ़ोन - +91-11-22900600
फैक्स - +91-11-22900699